एम. कॉम
द्वितीय वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2025–2026

जुलाई 2025 तथा जनवरी 2026 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2025–2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2025 और जनवरी 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।

2. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**संगठन सिद्धांत और व्यवहार**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. संगठनात्मक संस्कृति से आप क्या समझते है? संगठनात्मक संस्कृति की मुख्य विशेषताओं के सम्बन्ध में विवेचन कीजिये। **(10)**

2. प्रबंधकों के विभिन्न कार्यों और भूमिकाओं की व्याख्या कीजिए। संगठन की कार्यकुशलता को बढ़ाने में इनका क्या उपयोग है? **(10)**

3. संप्रेषण से आप क्या समझते है? अच्छे संप्रेषण के सिद्धांतों की व्याख्या करें। **(10)**

4. अभिवृत्ति को परिभाषित करें। इसके कार्य क्या हैं? अभिवृत्ति के निर्माण की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए। **(10)**

5. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए**: **(4X5)**

क) 'दबाव के सकारात्मक तथा नकारात्मक परिणाम होते हैं। नकारात्मक परिणामों के संगठन के तंत्रो पर विपरीत प्रभाव तो पड़ते ही हैं परन्तु साथ ही साथ जैविक, मनोवैज्ञानिक और व्यवहारात्मक पद्तियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ते हैं'

ख) 'आजकल संगठन अत्यंत गतिशील और परिवर्तनीय पर्यावरण में काम करते हैं'

ग) 'जॉब पुनः इंजीनियरी के संदर्भ में विभिन्न पर्यावरणी कारकों के सम्बन्ध में विचार किया जाता है'

घ) 'व्यक्तित्व का विकास विभिन्न चरणों में होता है और इस विकास को अनेक कारक प्रभावित करते हैं'

6. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** **(4X5)**

क) क्लासिकी और नव-क्लासिकी प्रबंधन

ख) क्लासिकी अनुकूलन और क्रियान्वयन अनुकूलन

ग) नेतृत्व का एकतंत्रीय ढंग और लोकतंत्रीय ढंग

घ) स्वास्थ्य विकतान कारक और अभिप्रेरक

7. **निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए:** **(4X5)**

क) अधिकार का प्रत्यायोजन

ख) गुणारोपण का सिद्धांत

ग) व्यक्तिगत दृष्टिकोण

घ) सामाजिक सवैरचार

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) शोध प्रतिवेदन (रिसर्च रिपोर्ट) क्या है? एक अच्छे शोध प्रतिवेदन की विशेषताएँ/गुण क्या होते हैं? **(10+10)**

   (ख) विषमता (Skewness) की धारणा को स्पष्ट कीजिए। यह समंकों के विश्लेषण में किस प्रकार सहायक है?

2. (क) शोध कार्य में सांख्यिकीय डेटा की दृश्यात्मक प्रस्तुति का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। **(10+10)**

   (ख) χ^2 (काई-स्क्वायर) परीक्षण को लागू करने की शर्तों को स्पष्ट कीजिए।

3. **निम्नलिखित पर संक्षेप टिप्पणी कीजिए**: **(4 X5)**

   (क) "डेटा वर्गीकरण, डेटा सारणीकरण का आधार प्रदान करता है।"
   (ख) "किसी डेटा सेट का प्रतिनिधि मान, उस डेटा का केंद्रीय मान दर्शाने वाली संख्या होती है।"
   (ग) "सांख्यिकी मिट्टी की तरह है, जिससे देवता भी बनाया जा सकता है और राक्षस भी।"
   (घ) "अंक कभी झूठ नहीं बोलते, लेकिन झूठे व्यक्ति अंक बदलते है।"

4. **निम्नलिखित व्यक्तव्यो की व्याख्या संक्षेप में कीजिये** : **(4 X5)**

   (क) समय श्रंखला (Time Series)
   (ख) सूचकांक संख्याओं के निर्माण में समस्याएँ
   (ग) प्रायिकता के बेयस प्रमेय के उपयोग
   (घ) सांख्यिकीय परिकल्पना परीक्षण की प्रक्रिया

5. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए :** **(4 X5)**

   (क) सर्वेक्षण विधि और प्रयोगात्मक विधि
   (ख) अनुसूची और प्रश्नावली
   (ग) सहसंबंध और प्रतीपगमन
   (घ) खण्डित और सतत आवृति वितरण

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यवसाय परिवेश**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) सामाजिक लेखा की संकल्पना और सामाजिक लेखा तथा प्रतिवेदन के लिए अपनाई गई विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए। **(10+10)**

ख)'सामाजिक प्रणालियाँ' शब्द को परिभाषित कीजिए तथा उसके मुख्य तत्वों की विवेचना कीजिए।

2. क) भारतीय अर्थव्यवस्था को अविकसित अर्थव्यवस्था क्यों समझा जाता है ? इसकी आधारभूत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **(10+10)**

ख) लघु क्षेत्र मुख्य रूप से किन समस्याओ का सामना कर रहा है ?इन समस्याओ से उबरने के लिए विभिन्न माध्यमो व तरीको की विवेचना कीजिए।

3. विभिन्न प्रकार के प्रतिबन्धी व्यापार आचरणों पर चर्चा कीजिए। उन परस्थितियो का उल्लेख कीजिए जिनके अंतर्गत प्रतिबन्धी व्यापार आचरण को अनुमति दी जानी चाहिए। **(20)**

4. शेयरों के सार्वजनिक निर्गम के लिए अग्रणी व्यवसायिक बैंकर की पूर्व इश्यू और परा निर्गम बाध्यताओं की विवेचना कीजिए। **(20)**

5. क) भारत के विदेशी सहयोग मे चलन की व्याख्या कीजिए। विदेश सहयोग निति की मुख्य विशेषताओ की विवेचना कीजिए। **(10+10)**

ख) एक्सिम निति 2002 -07 के अंतर्गत आयातों और निर्यातों के प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय निर्णयों के लिए लेखांकन**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1.	क) आधारभूत लेखांकन संकल्पनाओं एवं मुख्य लेखांकन मान्यताओं का वर्णन कीजिए। ख) वित्तीय विवरणों से क्या तात्पर्य है? ये निर्णयन के लिए कहां तक उपयोगी होते हैं।	**(10+10)**
2.	**निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए** : (क) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागत (ख) स्थायी और लोचदार बजटिंग (ग) अनुमानित लागत और मानक लागत (घ) विभेदक और सीमांत लागत	**(4x5)**
3.	क) कोष प्रवाह विवरण खातों की ऊपरी दिखावट से भी प्रभावित है और इसलिए यह परिवर्तन के वास्तविक दृश्य को प्रस्तुत करने में असफल है। उदाहरणार्थ, कुछ दिखावटी विक्रय को खाते में लिखकर परिचालन से प्राप्त कोष को बढ़ाया जा सकता है।' क्या आप इस अलोचना से सहमत हैं? अपने विचार लिखिए। ख) बजटिंग से आप क्या समझते हैं ? विभिन्न प्रकार के उन बजटों का उल्लेख कीजिए जो एक बड़ी औद्योगिक संस्था सामान्यतया तैयार करती है।	**(10+10)**
4.	31 मार्च 2004 तक वी.एन. लिमिटेड का परीक्षण शेष निम्नलिखित है। समायोजनों को ध्यान में रखते हुए ट्रेडिंग और लाभ-हानि खाता और बैलेंस शीट तैयार करें।	**(20)**

मद का नाम	**डेबिट (रु.)**	**क्रेडिट (रु.)**
प्रारंभिक भंडार	3,00,000	
क्रय / विक्रय	9,80,000	13,60,000
बिल प्राप्ति / बिल देय	20,000	28,000
पेटेंट एवं ट्रेड मार्क	19,200	
सामान्य भंडार		62,000
बैंक में नकद	1,84,800	
संयंत्र एवं मशीनरी	1,16,000	
देनदार एवं लेनदार	1,10,000	70,000
अंश पूंजी		4,00,000
2001–2002 का भुगतान किया गया लाभांश	36,000	

	लाभ हानि खाता (1.4.2002)		94,200
	विविध खर्च	28,200	
	किराया	16,000	
	वेतन	30,000	
	कम्प्यूटर	68,000	
	भाड़ा – आवक	38,000	
	प्राप्त छूट		12,000
	मजदूरी	1,20,000	
	वापसी बाहरी		40,000
	कुल	**20,66,200**	**20,66,200**

क) 31 मार्च 2004 को अंतिम भंडार (Closing Stock) का मूल्यांकन ₹3,42,000 किया गया है।

ख) निम्नलिखित संपत्तियों पर मूल्यह्रास (Depreciation) लगाया जाना है:

संयंत्र एवं मशीनरी (Plant and Machinery) पर 15% की दर से

कम्प्यूटर (Computers) पर 10% की दर से

पेटेंट एवं ट्रेडमार्क (Patents & Trade Marks) पर 5% की दर से

ग) संदिग्ध एवं दुर्बल ऋणों (Bad & Doubtful Debts) के लिए ₹2,040 की प्रावधान (Provision) आवश्यक है।

घ) निम्नलिखित देय व्यय (Outstanding Expenses) का प्रावधान किया जाए:

किराया बकाया (Rent Outstanding): ₹3,200

वेतन बकाया (Salaries Outstanding): ₹3,600

ड.)प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividend) 15% की दर से प्रदान किया जाए।

च) आय कर (Income Tax) के लिए 50% की दर से प्रावधान किया जाए।

छ) कॉरपोरेट लाभांश कर (Corporate Dividend Tax) के लिए 12.5% की दर से प्रावधान किया जाए।

5.	क) वर्ष 2009 के दौरान, सत्यम कंपनी की कुल बिक्री ₹4,00,000 थी। इसका सकल लाभ अनुपात (Gross Profit Ratio) 25% तथा शुद्ध लाभ अनुपात (Net Profit Ratio) 10% था। कंपनी का भंडार परिप्रत्यय अनुपात (Stock Turnover Ratio) 10 गुना था। आपको निम्नलिखित की गणना करनी है: (i) सकल लाभ (Gross Profit) (ii) शुद्ध लाभ (Net Profit) (iii) विक्रय लागत (Cost of Goods Sold) (iv) संचालन व्यय (Operating Expenses) ख) रोकड़ प्रवाह विवरण से क्या तात्पर्य है ? रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की विधियों का वर्णन कीजिये।	**(10+10)**

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**विपणन प्रबंध**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -06/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विपणन मिश्रण की अवधारणा को समझाइए। 4Ps के प्रत्येक तत्व की भूमिका का उपयुक्त उदाहरणों सहित मूल्यांकन कीजिए। (20)

2. उत्पाद जीवन चक्र (PLC) को परिभाषित कीजिए। PLC के प्रत्येक चरण के लिए उपयुक्त विपणन रणनीतियों की संबंधित उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (20)

3. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त व्याख्या कीजिए :** (4x5)

(क) रणनीतिक विपणन नियोजन (Strategic Marketing Planning)

(ख) ब्रांड इक्विटी (Brand Equity)

(ग) ग्राहक संबंध प्रबंधन (Customer Relationship Management)

(घ) स्वॉट विश्लेषण (SWOT Analysis)

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए :** (4x5)

(क) विज्ञापन और व्यक्तिगत विक्रय (Advertising and Personal Selling)

(ख) ग्राहक की आवश्यकताएँ और इच्छाएँ (Customer Needs and Wants)

(ग) विपणन अनुसंधान में प्राथमिक डेटा और द्वितीयक डेटा

(घ) पारंपरिक विपणन और डिजिटल विपणन

5. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए :** (4x5)

(क) आधुनिक विपणन में ग्राहक ही राजा है।

(ख) ग्राहक को बनाए रखना, नए ग्राहक प्राप्त करने से अधिक लाभकारी है।

(ग) उपभोक्ता की क्रय निर्णय को मनोवैज्ञानिक कारक प्रभावित करते हैं।

(घ एक अच्छी तरह से निर्मित ब्रांड बाजार में उत्पाद को विशिष्ट बनाता है।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -07**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय प्रबंध**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -07/टी. एम. ए./ 2025-202**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) इक्विटी शेयरों के मूल्यांकन के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न अवधारणाओं को समझाइए। (10+10)

ख) जोखिम को मापने की विभिन्न सांख्यिकी तकनीक कौन – कौन से हैं ?

2. क) स्वामित्व या सांझेदारी में पूंजी की लागत कैसे ज्ञात करते हैं क्या इसे ज्ञात करने का कोई तरीका आप जानते हैं ? सूचीबद्ध कीजिए। (10+10)

ख) कार्यशील पूंजी प्रबंधन के संबंध में भारतीय उद्योग प्रथाओं पर चर्चा करें।

3. क) प्रतिधारित आय को दीर्घावधि वित्त प्रबंध के स्त्रोत के रूप में उपयोग करने में किसी कंपनी को किस तरह की सीमाओं का सामना करना पड़ता है ? (10+10)

ख) परियोजना वित्त का संक्षिप्त विवरण दीजिए तथा उसे निगम वित्त से भिन्न कीजिए।

4. (क) इक्विटी पर अपेक्षित प्रत्याय दर तथा वित्तीय लीवरेज में क्या संबंध बताये गए हैं ? (10+10)

(ख) उच्च लाभांश नीति के सहायक वास्तविक सांसारिक तत्व बताइये।

5. (क) प्रतिभूतिकरण से क्या तात्पर्य है ? विशेष उद्देश्य वाहन (SPV) के क्या कार्य हैं ? व्याख्या कीजिए। (10+10)

(ख) कार्यशील पूंजी नीति की विभिन्न दृष्टीकोणों /विधियों (approaches) की व्याख्या कीजिए। इन के क्या परिणाम हैं ?